Title: Regarding need to confer award to a woman of Bihar showing compassion to animal.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक मार्मिक और मानवता की ऊँचाइयों को छूने वाली तात्कालिक घटना की ओर आकृट करना चाहता हूँ। आज गुजरात में जहां मानवता और इंसानियत लहू-लुहान हो रही है, वहीं देश के दूसरी तरफ मानवता की एक अजूबा मिसाल मैं आपके सामने रखना चाहता हूँ।

भारत नेपाल सीमा पर उत्तर बिहार के मधुबनी जिले में फूलपरास पुरवारी टोला गांव में एक गरीब खेतिहर मजदूरिन 26 वर्षीय श्रीमती दुलारी देवी जो कि एक वर्षीय इकलौते पुत्र की माँ भी है, उसकी पालतू बकरी एक मेमने को जन्म देते समय प्रसव पीड़ा से मर गई। बकरी की मृत्यु के तुरंत बाद बकरी के बच्चे को जीवित रखने के लिए वह औरत मेमने को अपना स्तनपान करा रही है और बकरी का वह नवजात मेमना आज भी स्वस्थ है।

अध्यक्ष महोदय, आयुर्विज्ञान में गाय और बकरी के दूध को नवजात शिशु के लिए माँ के दूध के समान उत्तम और पौटिक माना गया है, परंतु ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली महिला ने जो काम किया, मानव संतति के नवजात शिशु के लिए तो इस तरह की बात देखी गई है, लेकिन बकरी के बच्चे को, जो चौपाया जानवर है, महिला ने दूध पिलाकर एक अनोखा उदाहरण और कीर्तिमान स्थापित किया है। इस भौतिक युग में एक तरफ अत्याधुनिक महिलाएं शरीर को बेडौल होने के डर से अपने बच्चे तक को स्तनपान नहीं कराती हैं और दूसरी तरफ ग्रामीण गरीब महिला ने चौपाए बच्चे को स्तनपान कराकर एक अनोखा ममतामय वात्सल्य उदाहरण प्रस्तुत किया है। इसलिए उस गांव फूलप्रास के लोगों ने दुलारी देवी के इस अजूबे वात्सल्य से मुग्ध होकर निर्णय किया है कि दुलारी देवी द्वारा जो बकरी के मेमने को स्तनपान कराया गया है, वे उसको बेचने नहीं देंगे। इससे दुलारी देवी के सामने जीविकोपार्जन की समस्या खड़ी हो गई है।

अतः मेरा केन्द्रीय सरकार से अनुरोध है कि उसके जीविकोपार्जन के लिए एक वैकल्पिक व्यवस्था पशु कल्याण मंत्रालय या मानव कल्याण मंत्रालय या समाज कल्याण मंत्रालय करे और ऐसी महिला जिसने आज मानव सेवा में ऐसी ऊँचाई को प्राप्त किया है, उसको राट्रीय पुरस्कार निश्चित रूप से देने की घोाणा करें। यह बहुत महत्वपूर्ण और संवेदनशील विाय है। मेरे पास फोटो भी मौजूद है और यह सच्चाई है। आज के युग में इस तरह की गरीब महिला ने जो भलाई का काम किया, उस कारण आज उसके सामने रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है। उसकी जीविका का साधन केवल बकरी था और गांव के लोगों ने उसको बेचने के लिए मना कर दिया और उसे गांव की गौरवपूर्ण संपत्ति घोाित कर दिया। उस महिला ने इतना साहसपूर्ण और जानवर के लिए इतना बड़ा काम किया। यह बहुत गंभीर विाय है।

अध्यक्ष महोदय : यह विाय गंभीर है, मुझे मालूम है।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : यह मानवता की एक नई मिसाल है। इसलिए आपको आसन से सरकार को निर्देश देना चाहिए और सरकार को सूचना ग्रहण करनी चाहिए। सरकार ऐसे मामलों में संवेदनशील होगी तो अच्छा है। संसदीय कार्य मंत्री यहां बैठे हैं, आप इस मामले को कम से कम पशु कल्याण मंत्रालय को भेजिये कि वे इस पर ध्यान दें। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, मंत्री जी इस पर ध्यान देंगे।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोा कुमार गंगवार) : अध्यक्ष महोदय, देवेन्द्र प्रसाद यादव जी ने ऐसी बात प्रस्तुत की है जो अपने आप में एक उदाहरण है। मैं संबंधित मंत्री जो इस मामले में काफी चिन्ता करती हैं, उनको इससे अवगत कराऊंगा और निश्चित रूप से वे इस बारे में कुछ कर सकेंगी।

श्री रामदास आठवले : उनको पुरस्कार देने की आवश्यकता है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रामदास जी, अब आप बैठ जाइए।